प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 4

कक्षा – दसवीं (2023-24)

हिंदी -अ (कोड 002)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं थी कि नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर, नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों में भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें

हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(i) निम्नलिखित कथनों की सत्यता पर विचार कीजिए -

i. जब नैनो-तकनीक अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा।
ii. नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फ़ौज क्षत - विक्षत शव को पलक झपकते ही स्वस्थ इंसान में बदल देगी।
iii. नैनों तकनीक ने शिलाओं को भालों की शक्ल में ढाला।
iv. नैनों तकनीक असीमित शक्तियों से युक्त है।

क) कथन i व iii सही हैं | ख) कथन i सही है
ग) कथन i, ii व iv सही हैं | घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का क्या मत है?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) इसके गंभीर दुष्परिणाम निकल सकते हैं।
ग) ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।
घ) ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से अधिक शक्तिशाली है।

(iii) मानव प्रकृति का नियंत्रक कैसे बन गया?

क) औद्योगिक क्रांति के कारण।
ख) सामाजिक क्रांति के कारण।
ग) तकनीकी क्रांति के कारण।
घ) आर्थिक क्रांति के कारण।

(iv) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

क) तकनीकी जटिलताएँ
ख) परमाणु व अणुओं का महत्व।
ग) नैनो-तकनीक
घ) तकनीकी क्रांति

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): नैनो तकनीक ने आज हमें एक नई तकनीकी क्रांति के सामने ला कर खड़ा कर दिया है।
कारण (R): इस क्रांति के कारण आज हम पुरानी तकनीकी जटिलताओं के अर्थ को कहीं खो बैठे हैं।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं परन्तु कारण (R) कथन

(A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) कथन (A) असत्य है परन्तु कारण (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
थोड़ी मात्र सफलता से ही, जो संतोष किए हैं,
घर की चारदिवारी में मस्ती के साथ जिए हैं।
क्या मालूम उन्हें कितना परियों का लोक सुहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
चलते-चलते नहीं पड़े, जिनके पैरों में छाले,
खुशियाँ क्या होती हैं, वे क्या जानेंगे मतवाले।
सुख काँटों के पथ से है, बचने का नहीं बहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
एक बाग क्या, जब धरती पर बंजर मौज मनाएँ,
एक फूल क्या, जब पग-पग काँटे जाल बिछाएँ।
गली-गली में, डगर-डगर में है नंदन लहराना,
बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।

(i) कवि ने सफलता के बारे में क्या कहा है?

i. परिश्रम करने से ही सफलता मिलती है।
ii. हमें थोड़ी सी सफलता मिलने पर ही संतोष नहीं करना चाहिए।
iii. सफलता मिलने पर अहंकार करना आवश्यक है।
iv. परिश्रम के बिना ही सफलता की प्राप्ति हो जाती है।

क) कथन i व ii सही हैं

ख) कथन ii व iii सही हैं

ग) कथन i व iv सही हैं

घ) कथन i, ii व iv सही हैं

(ii) असली खुशियों के बारे में कौन नहीं जानते हैं?

क) जो परीलोक में विचरण करते हैं

ख) जिनके पैरों में छाले पड़ते हैं

ग) जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते

घ) जो काँटों पर चलते हैं

(iii) काव्यांश के माध्यम से कवि ने क्या सन्देश दिया है?

क) थमने का

ख) झुकने का

ग) रुकने का

घ) निरंतर चलते रहने का

(iv) परियों के सुहाने लोक के बारे में किन्हें पता नहीं लग पाता है?

क) जो निरंतर प्रयास करते हैं

ख) जो घर की चारदीवारी में रहते हैं

ग) जो मुसीबतों का सामना करते हैं

घ) जो कठिनाइयों से घबराते हैं

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): सुख प्राप्त करने के लिए काँटों भरी राह पर भी चलना पड़ता है।
कथन (R): जिन्हें आसानी से सफलता मिल जाती हैं, वे काँटों भरी राह पर चलने की बजाय अपना रास्ता बदल लेते हैं।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **आज धूप निकलने की संभावना है** मिश्र वाक्य में बदलिए- **[1]**

क) आज धूप और बारिश आने की संभावना है

ख) संभावना है कि आज धूप निकले

ग) संभावना है कि आज धूप और बारिश आएगी

घ) आज धूप निकल सकती है

(ii) **यहाँ जो प्रबंध है वह त्रुटिपूर्ण है** प्रयोग के आधार पर वाक्य भेद बताइए। **[1]**

क) मिश्र वाक्य

ख) सरल वाक्य

ग) समूह वाक्य

घ) संयुक्त वाक्य

(iii) **एक तुमने ही इस जादू पर विजय प्राप्त की है।** रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए- **[1]**

क) साधारण वाक्य

ख) संयुक्त वाक्य

ग) सरल वाक्य

घ) मिश्र वाक्य

(iv) **गरीब को लूटने के अतिरिक्त उसने उसकी हत्या कर दी** संयुक्त वाक्य में बदलिए। **[1]**

क) इनमें से कोई नहीं

ख) उसने गरीब के साथ लूटपाट की।

ग) उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।

घ) उसने गरीब को लूटकर उसकी हत्या कर दी।

(v) निम्न में संज्ञा उपवाक्य का उदाहरण है- **[1]**

क) तुम्हें बताना चाहिए था कि राजीव सक्सेना निर्दोष है।

ख) जिससे तुम्हारी कल बात हुई थी, वह लड़की आज आई नहीं।

ग) तुम्हें वहाँ तब पहुँच जाना चाहिए था, जब कमरे में आग लगी।

घ) मैं कल उस व्यक्ति से मिला, जो अंधा था।

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **लड़की सो नहीं रही है** प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए- **[1]**

क) लड़की द्वारा सोया नहीं गया।

ख) लड़की सो नहीं सकी।

ग) लड़की द्वारा सोया नहीं जा रहा है।

घ) लड़की सो नहीं पा रही।

(ii) **लेखक द्वारा कहानी लिखी गई।** वाक्य में वाच्य है- **[1]**

क) कर्तृवाच्य

ख) अकर्मवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) कर्मवाच्य

(iii) **उनसे बर्थ पर सुविधा से बैठा नहीं जा रहा था।** वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है? **[1]**

क) मुख्यवाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) भाववाच्य

(iv) परीक्षा के बारे में अध्यापक द्वारा क्या कहा गया? कर्तृवाच्य में बदलिए। **[1]**

क) परीक्षा के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?

ख) परीक्षा के बारे में अध्यापक से कुछ कहा जा सकता है।

ग) परीक्षा के बारे में अध्यापक द्वारा कुछ कहा जायेगा।

घ) परीक्षा में अध्यापक के बारे में क्या कहा गया?

(v) निम्नलिखित में भाववाच्य का उचित उदाहरण है- **[1]**

क) मैं पत्र लिखता हूँ।
ख) गिरीश चित्र बनाता है।
ग) मुझसे पत्र लिखा जाता है।
घ) थोड़ी देर सो लिया जाए।

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) गोविंद को **<u>दही</u>** खाना बहुत पसंद है रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
ख) द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन कर्म कारक
ग) द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक
घ) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ii) <u>पारंपरिक</u> **[1]**

क) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'लोकगीतों' - विशेष्य
ख) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'लोकगीतों' - विशेष्य
घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(iii) सुरेश यदि मैं बीमार हो जाऊँ तो **<u>घर की</u>** व्यवस्था रुक जाएगी। रेखांकित पद का परिचय है: **[1]**

क) जातिवाचक संज्ञा, द्विवचन, नपुसंकलिंग, संबंधकारक।
ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, नपुसंकलिंग, संबंधकारक।
ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(iv) बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष **<u>उस</u>** दिन देखा गया जब उनका बेटा मरा। रेखांकित पद का परिचय है:- **[1]**

क) विशेषण, सार्वनामिक, 'दिन' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।
ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
ग) विशेषण, रीतिवाचक, 'दिन' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।
घ) सर्वनाम, निश्चयवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(v) शब्द जब वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसे कहते हैं- **[1]**

क) पद
ख) वाक्य

ग) वर्ण घ) पद-परिचय

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- **[1]**
मेघमय आसमान से उतर रही है संध्या सुन्दरी परी सी धीरे धीरे धीरे।

क) अनुप्रास अलंकार ख) रूपक अलंकार

ग) यमक अलंकार घ) मानवीकरण अलंकार

(ii) **चित्रकूट जनु अचल अहेरी।** - इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है: **[1]**

क) उत्प्रेक्षा ख) मानवीकरण

ग) श्लेष घ) अतिशयोक्ति

(iii) जहाँ एक वस्तु में दूसरी की संभावना या कल्पना हो, वहाँ कौन-सा अलंकार होता हैं ? **[1]**

क) उत्प्रेक्षा ख) अतिशयोक्ति

ग) उपमा घ) रूपक

(iv) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से किसमें श्लेष अलंकार का प्रयोग हुआ है? **[1]**

क) मदन महीप जू को बालक वसंत ताहि
प्रातहि जगानत गुलाब चटकारी दै

ख) बीथिन में ब्रज में नबेलिन में बेलिन में
बनन में बागन में नगर्यौ बसंत है

ग) मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं

घ) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं नभ तल में

(v) जहाँ किसी व्यक्ति का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जाए, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है ? **[1]**

क) उत्प्रेक्षा ख) मानवीकरण

ग) अतिशयोक्ति घ) यमक

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए, एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बन्द दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी

लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था।

(i) पानवाले की कौन-सी बात हालदार साहब को अच्छी नहीं लगी?

क) मूर्ति की बनावट पर टीका-टिप्पणी।
ख) मूर्ति बनाने में धन के अपव्यय का मज़ाक उड़ाया जाना।
ग) मूर्ति बनाने वाले का अपमान।
घ) पानवाले द्वारा एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाया जाना।

(ii) हालदार साहब ने मुड़कर देखा तो अवाक् क्यों रह गए?

क) सभी विकल्प सही है।
ख) चश्मे वाले की वेशभूषा और दयनीय दशा देखकर।
ग) एक बेहद बूढ़े-मरियल से चश्मे वाले को देखकर।
घ) उसके हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में बाँस पर टंगे चश्मों को देखकर।

(iii) चश्मेवाला एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस क्यों टिका रहा था?

क) क्योंकि वह दुकान बंद थी।
ख) उसकी अपनी कोई दुकान नहीं थी।
ग) यह दुकान बाजार के बीचों-बीच थी।
घ) क्योंकि वह दुकान उसके जानने वाली की थी।

(iv) हालदार साहब पानवाले से कैप्टन चश्मे वाले के बारे में क्या पूछना चाहते थे?

क) क्या लोग उसके चश्मे पसंद करते हैं?
ख) इसे कैप्टन क्यों कहते हैं और इसका असली नाम क्या है?
ग) वह कहाँ रहता है?
घ) उसकी दुकान कहाँ है?

(v) पानवाले ने हालदार साहब को कौन-सी बात साफ़ बता दी?

क) वह कैप्टन के बारे में अधिक नहीं जानता।
ख) उसे जितना पता था उसने बता दिया।
ग) वह उसका असली नाम नहीं जानता।
घ) वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं।

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) चौपड़ का अर्थ क्या होता है? **[1]**

क) मुख्य बाजार का चौराहा
ख) चौक
ग) घर
घ) सड़क

(ii) लखनवी अंदाज़ के लेखक की इच्छा मात्र से क्या नहीं बन सकती? **[1]**

क) साहित्य
ख) कविता
ग) नई कहानी
घ) नाटक

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।
देखि कुठारु सरासन बाना। मछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहु सहों रिस रोकी॥
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥

(i) **कुम्हड़बतिया** का उदाहरण क्यों दिया गया है?

क) काशीफल को फल के समान कमजोर समझ रहे हैं।
ख) कुम्हड़े या काशीफल का फल सहजता से नहीं टूट जाता है।
ग) इनमें से कोई नहीं।
घ) काशीफल बहुत ही कमजोर होता है।

(ii) लक्ष्मण ने पशुराम की किस चेष्टा पर क्यों व्यंग्य किया?

क) उन्हें बार-बार नरक का भोगी बनने का भय दिखाकर डराने की
ख) उन्हें बार-बार धनुष बाण दिखाकर डराने की
ग) उन्हें बार-बार तलवार दिखाकर डराने की
घ) उन्हें बार-बार फरसा दिखाकर डराने की

(iii) ब्राह्मण से युद्ध करना लक्ष्मण क्यों उचित नहीं मानते?

क) ब्राह्मणों से पराजित होने पर अपयश मिलता है तथा परिवार की परम्परा भी नहीं है

ख) ब्राह्मणों का वध करने से पुण्य मिलता है

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) ब्राह्मणों से युद्ध करना घाटे का सौदा नहीं है

(iv) परशुराम को मारने पर अपयश और पाप की संभावना लक्ष्मण को क्यों थी?

क) कुल में ब्राह्मण को अवध्य माना जाता था

ख) हारने पर अपयश के भागी नहीं होते थे

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) ब्राह्मण को मारने पर पाप नहीं लगता था

(v) क्षत्रिय कुल में किन-किन पर वीरता नहीं दिखाई जाती?

क) ब्राह्मण, भक्त, बैल और देवाताओं पर

ख) गाय, भक्त, ब्राह्मण और देवताओं पर

ग) भैंस, गाय, भक्त और ब्राह्मण पर

घ) बैल, गाय, ब्राह्मण और देवाताओं पर

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **अट नहीं रही है** कविता के कवि का क्या नाम है? **[1]**

क) सुमित्रानंदन पंत

ख) तुलसीदास

ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

घ) महादेवी वर्मा

(ii) मंगलेश डबराल के अनुसार संगतकार में कौनसी भावना भरी हुई है ? **[1]**

क) गर्व की

ख) सम्मान की

ग) त्याग की

घ) अभिमान की

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) निम्नलिखित वाक्यों को मिश्रित वाक्यों में बदलिए- **[2]**

i. इसी बालसुलभ हँसी में कई यादें बंद हैं।

ii. काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्‌भुत परंपरा है।

iii. धत्! पगली ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं।

iv. काशी का नायाब हीरा हमेशा से दो कौमों को एक होकर आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

(ii) न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे कौन से तर्क दिए गए हैं? न्यूटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं ज्ञान की कई दूसरी बारीकियों को जानने वाले लोग भी न्यूटन की तरह संस्कृत नहीं कहला सकते, क्यों? **[2]**

(iii) मन्नू भंडारी की ऐसी कौन सी खुशी थी जो 15 अगस्त, 1947 की खुशी में समाकर रह गई ? **[2]**

(iv) भगत की पुत्रवधू और भगत दोनों एक-दूसरे की हित-चिंता में ज़िद्द पर अड़े थे - पुष्टि कीजिए। **[2]**

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) गोपियों ने उद्धव के सामने तरह-तरह के तर्क दिए हैं, आप अपनी कल्पना से और तर्क दीजिए। **[2]**

(ii) संगतकार की मनुष्यता किसे कहा गया है? वह मनुष्यता कैसे बनाए रखता है? **[2]**

(iii) **आत्मकथ्य** काव्य में अपनी आत्मकथा के लिए कवि ने कौन-सा विशेषण प्रयोग किया है और क्यों? **[2]**

(iv) फसल कविता के इन पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए- रूपांतर है सूरज की किरणों का सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का ! **[2]**

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** हिरोशिमा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग क्यों कहा जाता है? **[4]**

(ii) आप चैन की नींद सो सकें इसीलिए तो हम यहाँ पहरा दे रहे हैं?- एक फौजी के इस कथन पर जीवन-मूल्यों की दृष्टि से चर्चा कीजिए। **[4]**

(iii) **माता का अँचल** पाठ में वर्णित खेल-खिलौनों की दुनिया वर्तमान खिलौनों की दुनिया से बेहतर थी, क्यों? कारण सहित उत्तर दीजिए। **[4]**

14. **दूर के ढोल सुहावने लगते हैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- दूर से कोई वस्तु/बात आकर्षक प्रतीत होती है
- अनजाने/अपरिचय का आकर्षण और जानने से उत्पन्न परेशानी

- दूर का आकर्षण नजदीक की समस्या
- सोच-समझकर किसी आकर्षण को अपनाना

अथवा

सत्यमेव जयते विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- भाव
- झूठ के पाँव नहीं होते
- सत्य ही परम धर्म

अथवा

वन एवं वन्य संपदा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वन एवं वन्य संपदा क्या है?
- इनका महत्त्व
- वन एवं वन संपदा पर खतरा

15. आपका नाम मुदित/मुदिता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश हेतु प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक दृष्टि से कमजोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षण की जो व्यवस्था की गई है, उसकी सराहना करते हुए किसी दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

मोटर साइकिल सुविधा के लिए है-तेज चलाने, करतब दिखाने के लिए नहीं-यह समझाते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

16. खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, किंग्सवे कैंप, दिल्ली के महाप्रबंधक को विक्रय प्रतिनिधि (सेल्स एक्जक्यूटिव) पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु एक ईमेल लिखिए।

17. आपने अपने शहर में डिजाइनर बुटिक खोला है। उसके प्रचार के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

संघ लोक सेवा आयोग की प्रशासनिक प्रतियोगिता परीक्षा में चयन हो जाने पर बड़ी बहन को लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

Solutions

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं थी कि नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर, नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों में भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(i) **(ग)** कथन i, ii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iv सही हैं

(ii) **(ग)** ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।
व्याख्या: ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।

(iii) **(क)** औद्योगिक क्रांति के कारण।
व्याख्या: औद्योगिक क्रांति के कारण।

(iv) **(ग)** नैनो-तकनीक
व्याख्या: नैनो-तकनीक

(v) **(क)** कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
थोड़ी मात्र सफलता से ही, जो संतोष किए हैं,
घर की चारदिवारी में मस्ती के साथ जिए हैं।
क्या मालूम उन्हें कितना परियों का लोक सुहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
चलते-चलते नहीं पड़े, जिनके पैरों में छाले,
खुशियाँ क्या होती हैं, वे क्या जानेंगे मतवाले।
सुख काँटों के पथ से है, बचने का नहीं बहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
एक बाग क्या, जब धरती पर बंजर मौज मनाएँ,
एक फूल क्या, जब पग-पग काँटे जाल बिछाएँ।
गली-गली में, डगर-डगर में है नंदन लहराना,
बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।

(i) **(क)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं

(ii) **(ग)** जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते
व्याख्या: जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते

(iii) **(घ)** निरंतर चलते रहने का
व्याख्या: निरंतर चलते रहने का

(iv) **(क)** जो निरंतर प्रयास करते हैं
व्याख्या: जो निरंतर प्रयास करते हैं

(v) **(ख)** कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** संभावना है कि आज धूप निकले
व्याख्या: संभावना है कि आज धूप निकले

(ii) **(क)** मिश्र वाक्य
व्याख्या: मिश्र वाक्य

(iii) **(ग)** सरल वाक्य
व्याख्या: सरल वाक्य

(iv) **(ग)** उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।
व्याख्या: उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।

(v) **(क)** तुम्हें बताना चाहिए था कि राजीव सक्सेना निर्दोष है।
व्याख्या: तुम्हें बताना चाहिए था कि राजीव सक्सेना निर्दोष है।

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** लड़की द्वारा सोया नहीं जा रहा है।
व्याख्या: लड़की द्वारा सोया नहीं जा रहा है।

(ii) **(घ)** कर्मवाच्य
व्याख्या: कर्मवाच्य

(iii) **(घ)** भाववाच्य
व्याख्या: भाववाच्य

(iv) **(क)** परीक्षा के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?
व्याख्या: परीक्षा के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?

(v) **(घ)** थोड़ी देर सो लिया जाए।
व्याख्या: थोड़ी देर सो लिया जाए।

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन कर्म कारक
व्याख्या: द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन कर्म कारक

(ii) **(क)** गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'लोकगीतों' - विशेष्य
व्याख्या: गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'लोकगीतों' - विशेष्य

(iii) **(ग)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
व्याख्या: जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(iv) **(क)** विशेषण, सार्वनामिक, 'दिन' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।
व्याख्या: विशेषण, सार्वनामिक, 'दिन' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।

(v) **(क)** पद
व्याख्या: पद

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

(ii) **(क)** उत्प्रेक्षा
व्याख्या: उत्प्रेक्षा

(iii) **(क)** उत्प्रेक्षा
व्याख्या: उत्प्रेक्षा। जैसे- मुख मानो चाँद है।

(iv) **(ग)** मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं
व्याख्या: मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं

(v) **(ग)** अतिशयोक्ति

व्याख्या: अतिशयोक्ति।

जैसे-आगे नदिया पड़ी अपार घोड़ा कैसे उतरे पार।

राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए, एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बन्द दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था।

(i) **(घ)** पानवाले द्वारा एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाया जाना।

व्याख्या: पानवाले द्वारा एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाया जाना।

(ii) **(क)** सभी विकल्प सही है।

व्याख्या: सभी विकल्प सही है।

(iii) **(ख)** उसकी अपनी कोई दुकान नहीं थी।

व्याख्या: उसकी अपनी कोई दुकान नहीं थी।

(iv) **(ख)** इसे कैप्टन क्यों कहते हैं और इसका असली नाम क्या है?

व्याख्या: इसे कैप्टन क्यों कहते हैं और इसका असली नाम क्या है?

(v) **(घ)** वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं।

व्याख्या: वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(क)** मुख्य बाजार का चौराहा

व्याख्या: चौपड़ मुख्य बाज़ार के चौराहे को कहते हैं।

(ii) **(ग)** नई कहानी

व्याख्या: लखनवी अंदाज़ के लेखक की इच्छा मात्र से नई कहानी नहीं बन सकती।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।
देखि कुठारु सरासन बाना। मछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहु सहों रिस रोकी॥

सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥

(i) **(क)** काशीफल को फल के समान कमजोर समझ रहे हैं।
व्याख्या: काशीफल को फल के समान कमजोर समझ रहे हैं।

(ii) **(घ)** उन्हें बार-बार फरसा दिखाकर डराने की
व्याख्या: उन्हें बार-बार फरसा दिखाकर डराने की

(iii) **(क)** ब्राह्मणों से पराजित होने पर अपयश मिलता है तथा परिवार की परम्परा भी नहीं है
व्याख्या: ब्राह्मणों से पराजित होने पर अपयश मिलता है तथा परिवार की परम्परा भी नहीं है

(iv) **(क)** कुल में ब्राह्मण को अवध्य माना जाता था
व्याख्या: कुल में ब्राह्मण को अवध्य माना जाता था

(v) **(ख)** गाय, भक्त, ब्राह्मण और देवताओं पर
व्याख्या: गाय, भक्त, ब्राह्मण और देवताओं पर

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
व्याख्या: अट नहीं रही कविता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' द्वारा रचित है।

(ii) **(ग)** त्याग की
व्याख्या: संगतकार अपनी त्याग भावना के वशीभूत होकर मुख्य गायक का साथ निभाता है।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) निम्नलिखित वाक्यों के मिश्रित वाक्य-
   i. यह वही बालसुलभ हँसी है जिसमें कई यादें बंद हैं।
   ii. काशी में संगीत का आयोजन होता है जो कि एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है।
   iii. धत्! पगली ई भारतरत्न हमको लुंगिया पे नाहीं, शहनईया पे मिला है, ।
   iv. यह जो काशी का नायाब हीरा है वह हमेशा से दो कौमों को एक होकर आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

(ii) लेखक के अनुसार संस्कृत व्यक्ति वह है जो अपनी बुद्धि एवं कौशल के बल पर नयी खोज को अंजाम दे सके, नए तथ्यों को खोज सकें, विज्ञान के रहस्यों को सुलझा सके। लेखक के अनुसार न्यूटन एक संस्कृत व्यक्ति थे क्योंकि उन्होंने अपनी बुद्धि के कौशल से भौतिकी के मूल सिद्धांत जिसे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत कहते हैं को स्थापित किया। आज गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत से अनेक लोग परिचित हैं और उनके पास भी न्यूटन जितनी जानकारी है लेकिन ऐसे व्यक्ति लेखक के अनुसार संस्कृत व्यक्तियों की श्रेणी में नहीं आते क्योंकि संस्कृत व्यक्ति वह होता है जो अपनी बुद्धि के बल पर नए सिद्धांतों को स्थापित करता है, नए तथ्यों की खोज करता है। सिर्फ

जानकारी प्राप्त कर लेने से कोई व्यक्ति संस्कृत व्यक्ति नहीं हो जाता, जानकारी होने के साथ-साथ उसके पास दुनिया को एक अलग नजर से देखने का कौशल भी होना चाहिए।

(iii) मन्नू भंडारी की आन्दोलनात्मक गतिविधियों को देखकर कॉलेज वालों ने उन्हें और उनके साथियों को कॉलेज से निकाल दिया। इसके साथ ही कॉलेज का अनुशासन बिगाड़ने के आरोप में थर्ड इयर की कक्षाएँ भी बंद कर दी गईं और लेखिका तथा उनकी सहयोगियों का प्रवेश निषिद्ध कर दिया गया | कॉलेज से बाहर रहते हुए भी लेखिका और छात्राओं ने इतना हुड़दंग मचाया कि कॉलेज वालों को हार मानकर अगस्त में थर्ड ईयर की कक्षाएँ फिर चालू करनी पड़ी। मन्नू भंडारी की यही खुशी 15 अगस्त 1947 की खुशी में समाकर रह गई।

(iv) भगत चाहते थे कि उनकी पुत्रवधू का पुर्नविवाह हो जाए और वो अपना शेष जीवन ख़ुशी से व्यतीत कर सके परंतु उनकी पुत्रवधू जानती थी कि उनके बाद भगत का कोई भी ख्याल रखने वाला नहीं होगा इसलिए वो उनको छोड़ कर नहीं जाना चाहती थी। वह जीवनभर उनकी सेवा करना चाहती थी।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) गोपियों ने उद्धव के सामने तरह-तरह के तर्क दिए हैं पर वे कुछ और तर्क शामिल कर सकती थीं जो निम्नलिखित हैं-

i. जब हम गोपियों ने कृष्ण से प्रेम किया तब क्या कृष्ण ने तुमसे पूछा था। उस समय उन्होंने तुम्हारी मदद नहीं ली। यदि तब मदद ली होती तो योग हमें इतना बुरा न लगता।

ii. लगता है कि योग तुम्हें बहुत प्रिय है। तुम्हारे साथ के कारण अब कृष्ण भी हमारे प्रेम से अधिक योग को महत्त्व देने लगे हैं।

iii. कृष्ण ने हमारे लिए योग-सन्देश तो भिजवा दिया परन्तु अन्य ब्रजवासियों यशोदा मैया, नंदबाबा आदि को वैसा ही सन्देश क्यों नहीं भिजवाया? वे सब भी तो श्रीकृष्ण से प्रेम करते थे।

(ii) "संगतकार की हिचक उसकी विफलता नहीं बल्कि मनुष्यता है।" अर्थात जब मुख्य गायक का संगतकार साथ देता है तो वह अपनी आवाज़ व प्रतिभा को ऊँचा होने से रोक देता है। यही उसकी मनुष्यता है। ऐसा वह इसलिए करता है ताकि मुख्य गायक का प्रभाव व सम्मान् बना रहे। उसका उद्देश्य गायक की आवाज़ को दबाना नहीं बल्कि उसे सुदृढ़ बनाना है। यह हिचक उसकी आवाज़ में साफ सुनाई देती है। इसे उसकी मनुष्यता का परिचायक समझा जाना चाहिए। यह मनुष्यता वह मुख्य गयक का साथ देकर कायम रखता है।

(iii) अपनी आत्मकथा के लिए कवि ने 'भोली' विशेषण का प्रयोग किया है क्योंकि उसमें ऐसी कोई विशेष उपलब्धि जैसी बात नहीं है, जिसे सुनकर लोग 'वाह-वाह' कह आनंदित हो उठें।

(iv) प्रस्तुत पंक्तियों का तात्पर्य है कि फसल की वृद्धि के लिए मिट्टी , नदियों का जल ,किसानों का श्रम के अलावा सूर्य की किरण तथा हवा दोनों की ही प्रमुख रूप से आवश्यकता होती है। प्रकृति के ये दोनों अवयव फसल के उत्पादन में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। फसलों में हरियाली तथा पक्कता सूरज की किरणों के प्रभाव के कारण आती है। फसलों को बढ़ाने में हवा की थिरकन का भी योगदान रहता है.।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) हिरोशिमा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहाँ विज्ञान ने विध्वसंक की भूमिका निभाई थी। विज्ञान को निर्माण करने वाले के रूप में जितना सशक्त माना जा सकता है उससे भी विकराल रूप उसका हिरोशिमा में दृष्टिगत हुआ जब वह विनाशकारी बना। यह मानव द्वारा उसका दुरुपयोग ही था।

(ii) लेखिका का सफ़र जब आगे बढ़ा तो वहाँ उसे कुछ दृश्य दिखाई देने लगा वह दृश्य एक फौजी छावनियाँ दिखाई दे रही थी । फौजी छावनी के पास का एरिया बार्डर एरिया था जहाँ से थोड़ी दूर पर ही चीन की सीमा है। एक फौजी से लेखिका मधु ने पूछा कि इतनी कड़कड़ाती सर्दी में भी आप ड्यूटी पर हो | इस सर्दी में आपको बहुत तकलीफ होती होगी |तब फौजी ने उदास भाव से और अपने चेहरे से जैसे हँसते हुए कहा – "आप लोग चैन की नींद सो सकें इसीलिए तो हम सब यहाँ पहरा दे रहे हैं।" उसके इस कथन से पता चलता है कि जहाँ तापमान माइनस पंद्रह डिग्री रहता है वहाँ फौजी लोग कितने कष्ट सहकर अपने कर्तव्य के प्रति सचेत रहते हैं। वे देश के सच्चे जवान हैं और देश वासियों की सुरक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों में भी निरतंर सजग रहते हैं।

(iii) पाठ में वर्णित खेल खिलौने आज देखने में ही नहीं आते। आज न तो किसी के पास समय है और न ही वो पहले वाली निश्छल मस्ती। सभी अपने-अपने बच्चों को बचपन से ही कमाऊ पूत बनाने में लगे हुआ हैं। पहले माता-पिता अपने बच्चों को समय देते थे। उनके निश्छल प्यार और लगाव को पाकर बच्चे खिल उठते थे, वे उनके साथ बच्चा बन जाते थे परन्तु आज माता-पिता पैसे कमाने की दौड़ में इतना आगे निकल चुके हैं कि उनके पास अपने बच्चों के लिए भी समय नहीं होता। वे अपने बच्चों का कमरा तो खिलौनों से भर देते हैं, पर उनका मन खाली ही रह जाता है। अतः बच्चों को वो प्यार नहीं मिलता जो पहले मिलता था।

14. "दूर के ढोल सुहावने लगते हैं" विषय पर निम्नलिखित अनुच्छेद लिखा जा सकता है: आकर्षण एक ऐसा महत्वपूर्ण भावना है जो हम सभी के मन में गहरी रूप से बसी होती है। इसका असर हमारे विचारों और आचरण पर होता है, और यह हमारे जीवन के कई पहलुओं को प्रभावित करता है। अक्सर होता है कि हमें दूर के ढोल सुहावने लगते हैं, और इसका कारण कुछ मुख्य कारकों पर आधारित होता है। पहला कारक है कि दूर से कोई वस्तु या बात आकर्षक प्रतीत होती है। अक्सर हम वही चीजें या व्यक्तियों की ओर आकर्षित होते हैं जो हमारे अच्छे दिनों को याद दिलाते हैं या हमारे इरादों और इच्छाशक्ति को बढ़ावा देते हैं। दूसरा कारक है अनजाने या अपरिचय का आकर्षण और जानने से उत्पन्न परेशानी। कई बार हम किसी व्यक्ति, जगह, या विचार के प्रति करीबी नहीं होते, लेकिन जब हम उनके बारे में अधिक जानते हैं, तो हम उनके प्रति आकर्षित हो जाते हैं। यह अकसर जीवन में उत्पन्न समस्याओं की ओर बढ़ने का कारण बन सकता है, क्योंकि हम अपनी वास्तविक ज़िन्दगी के मुद्दों को अनदेखा करते हैं। तीसरा कारक है दूर का आकर्षण नजदीक की समस्या। कई बार हम दूर की चीजों या स्थानों के प्रति इतने आकर्षित होते हैं कि हम अपने साथी या परिवार से दूर हो जाते हैं, जिससे हमारे रिश्तों में समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। चौथा कारक है सोच-समझकर किसी आकर्षण को अपनाना। यह सही या गलत का फैसला करने में मदद कर सकता है, लेकिन यह भी हमारे जीवन को परेशानीजनक बना सकता है अगर हम इसे गलत तरीके से अपनाते हैं। सारांश में, "दूर के ढोल सुहावने लगते हैं" कहावत हमारे जीवन में

आकर्षण के महत्व को दर्शाती है, लेकिन यह भी याद दिलाती है कि हमें सोच-समझकर अपने आकर्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि हमारी जीवन में सुख और संतोष का सामंजस्य बना रह सके।

अथवा

‘सत्यमेव जयते’ मुंडकोपनिषद से लिया गया यह वाक्य भारत का राष्ट्रीय वाक्य है। इस वाक्य का अर्थ है- ‘सत्य ही जीतता है।’ सत्य की जीत और झूठ की हार की कहानियाँ सब लोग बचपन से सुनते-सुनाते आ रहे हैं, फिर भी बहुत कम लोग सत्य के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाते हैं। सत्य कटु होता है, अप्रिय होता है, अरुचिकर होता है और सबसे बड़ी बात सत्य होते हुए भी इसे अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता है परन्तु अंत में सत्य ही जीतता है। झूठ कभी स्थायी रूप से अपना प्रभाव बनाए नहीं रख सकता, क्योंकि उसके पाँव नहीं होते, वह हमेशा दूसरों के सहारे चलता है। सत्य हमारे चारों ओर हैं, जिन्हें हम देखते हैं और सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है। महाभारत में सत्य को स्वर्ग का सोपान बताया गया है-सत्यं स्वर्गस्य सोपानम्। सत्य की अलौकिक महिमा के कारण ही पंडित मदन मोहन मालवीय ने राष्ट्रीय स्तर पर ‘सत्यमेव जयते’ मन्त्र का प्रचार किया और इसे भारत का राष्ट्रीय वाक्य घोषित किया गया।

अथवा

वन एवं वन्य संपदा

सामान्यतः एक ऐसा विस्तृत भू-भाग जो पेड़-पौधों से आच्छादित हो, 'वन' कहलाता है। वन मनुष्य के लिए प्रकृति का सबसे बड़ा वरदान है। वन सम्पदा हमारी भारतीय सभ्यता और प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वन सम्पदा वातावरण में उपलब्ध धुआँ, धूलकण, कार्बन, सीसा, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड एवं मानव जीवन को प्रदूषित करने वाली गैसों को घटाकर जीवन को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त,वनों से हमें फ़र्नीचर के लिए लकड़ी, फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। वन मृदा अपरदन रोकने व वर्षा करवाने में भी सहायक होते हैं।

वनों का एक लाभ और भी है। इनके कारण ही वन्य-जीवन फलता-फूलता है। वन्य का अर्थ है-वन में उत्पन्न होने वाला। इस प्रकार वन्य-जीवन का तात्पर्य उन जीवों से है जो वन में पैदा होते हैं और वन ही उनका आवास-स्थल बनता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में लगभग 75000 प्रकार की जीव-प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश वनों में पाई जाती हैं। इनमें सिंह, चीता, लोमड़ी, गीदड़, लकड़बग्घा, हिरण, जिराफ, नीलगाय, साँप, मगरमच्छ आदि प्रमुख हैं। यदि वन न हों तो इन सभी जीवों का अस्तित्व ही मिट जाएगा, जबकि मनुष्य के साथ इन जीवों का सह-अस्तित्व आवश्यक है क्योंकि इससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है। हालाँकि पिछले कुछ समय से वन एवं वन्य संपदा पर खतरा मँडरा रहा है। वनों से ढके हुए क्षेत्रों में कमी हो रही है, जिससे वन्य-जीवन भी विलुप्त होता जा रहा है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार, देश के 33% भू-भाग पर वन होने चाहिए, परंतु इस नीति पर ठीक से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रशासन तंत्र को शीघ्र ही इस विषय का संज्ञान लेना चाहिए और वन एवं वन्य संपदा के संरक्षण हेतु उचित कदम उठाने चाहिए।

15. सेवा में,
संपादक
दैनिक जागरण
दिल्ली

दिनांक: 28 सितम्बर 2023
विषय: निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था हेतु पत्र
महोदय,
मेरा नाम मुदित है। मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र का नियमित पाठक हूँ। आपने पत्र के माध्यम से हमें यह सूचित किया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश हेतु आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था की गई है। यह एक बहुत ही प्रशंसनीय पहल है, जिससे कई प्रतिभाशाली छात्र नौकरियों में अवसर प्राप्त करेंगे। इसके माध्यम से समाज के कमजोर अधिकारियों और छात्रों को भी समान अवसर मिलेंगे, जिससे न केवल उनका उत्थान होगा, बल्कि देश के लिए भी यह विकास की एक बड़ी उपलब्धि होगी। आपकी सफल प्रशासनिक पहलों और शिक्षाधिकारियों के परोपकारी कार्य के लिए ऐसी प्रदेश सरकार को सम्मानित करना चाहिए। जो अपनी कर्तव्य निष्ठा व परोपकार निभाते है।
सधन्यवाद
भवदीय
मुदित कुमार
55/586, सरोजिनी नगर, दिल्ली

अथवा

नेहरू नगर ,नई दिल्ली
२३ मार्च २०१९
प्रिय गोविन्द
सदैव प्रसन्न रहो
मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि इस बार हाईस्कूल परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक लाने पर पिताजी ने तुम्हें मोटर-साइकिल उपहार में देकर तुम्हारी इच्छा पूरी कर दी। मेरे भाई मोटरसाइकिल की तुम्हें बहुत आवश्यकता थी,कोचिंग आदि जाने में समस्या थी | अतः पिताजी ने तुम्हारी जरूरतों को देखते हुए तुम्हारे लिए इसे खरीदा है। परन्तु इसका इस्तेमाल करते हुए तुम्हें कुछ बुनियादी बातें ध्यान में रखनी हैं अर्थात जोश में होश कायम रखना अन्यथा दुष्परिणाम हो सकते हैं।
कभी भी अपनी मोटरसाइकिल किसी अन्य को न देना अन्यथा तुम्हें हानि उठानी पड़ सकती है। हो सकता है वह तुम्हारी मोटरसाइकिल का दुरुपयोग करे किन्तु उसका खामियाजा तुम्हें उठाना पड़ेगा। हमेशा ड्राइविंग लाइसेन्स और गाड़ी के कागज साथ में रखना और हेलमेट का प्रयोग बहुत जरूरी है। कभी भी दोस्ती में तीन सवारी मत करना।
ध्यान रहे कि मोटर साइकिल सुविधा के लिए है | समय बचाने के लिए है तेज चलाने या करतब दिखाने के लिए नहीं।
तेज चलाने वाले लोग अकसर दुर्घटना कर बैठते हैं और जिससे स्वयं भी चोटिल हो सकते हैं दूसरे को भी चोट लग सकती है। 40-50 किमी प्रति घण्टा से अधिक की स्पीड पर मोटर साइकिल नहीं चलानी चाहिए। वैसे तो तुम खुद बहुत समझदार हो लेकिन समझाना मेरा कर्तव्य है उम्मीद है तुम ध्यान रखोगे।
तुम्हारा भाई

गौतम सिंह

16. प्रति,
महाप्रबंधक
खादी ग्रामोद्योग
किंग्सवे कैंप, दिल्ली।
विषय- विक्रय प्रतिनिधि पद हेतु आवेदन-पत्र।
महोदय,
दिनांक 05 मई, 20xx के 'पंजाब केसरी' समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि गांधी जयंती के अवसर पर खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने हेतु इस बोर्ड को विक्रय प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इस पद के लिए मैं भी आवेदन-पत्र भेज रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है-
नाम - राजेश सैनी
पिता का नाम - श्री फूल सिंह सैनी
जन्मतिथि - 15 दिसंबर, 1991
पता - wz15, मौर्या इंक्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० बोर्ड	2006	74%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० बोर्ड	2008	80%
बी.बी.ए.	बिहार टेक्नीकल विश्वविद्यालय	2011	86%
एम.बी.ए.	बिहार टेक्नीकल विश्वविद्यालय	2013	82%

अनुभव- भारत हैंडलूम में अंशकालिक विक्रय प्रतिनिधि - दो साल।
घोषणा- उपर्युक्त विवरण पूर्णतया सत्य है। इसमें न कुछ झूठ है और न छिपाया गया है। मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि सेवा का मौक़ा मिलने पर मैं आपको पूर्णतया संतुष्ट रखने का प्रयास करूँगा।
धन्यवाद
राजेश सैनी
हस्ताक्षर ....
दिनांक 06 मई, 20xx
संलग्न- समस्त प्रमाण पत्रों एवं अनुभव प्रमाणपत्र की छाया प्रति।

अथवा

From : priya15@gmail.com
To : govi@tutorial.com
CC ...
BCC ...
विषय - ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु जानकारी
महोदय,
मैं प्रिया कुमारी दसवीं कक्षा की विद्यार्थी हूँ। मुझे जानकारी प्राप्त हुई कि आप विभिन्न विषयों की

ट्यूशन की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। मुझे अपने लिए एक गणित विषय की ट्यूशन की आवश्यकता है।
आपसे अनुरोध है कि मुझे गणित विषय का ट्यूशन उपलब्ध कराने में सहायता करें।
धन्यवाद
प्रिया कुमारी

17.

सम्पूर्ण कलेक्शनस बुटिक फॉर वुमेन

स्पेशलिस्ट
वैडिंग कलेक्शन
पार्टी कलेक्शन
- लहंगा-ओढ़नी
- डिज़ाइनर कुर्तियाँ
- पार्टी वेयर सूट
- डिज़ाइनर साड़ी

कम दाम, उचित काम
समय पर काम पूरा करने की गारंटी
पता-
E- 43 मिन्टो रोड,
नई दिल्ली
फोन नं. 982112XXXX

अथवा

बधाई सन्देश

दिनांकः 3/XX/20XX
समय: प्रातः 9 बजे
आदरणीया दीदी
आज सुबह के समाचार-पत्र में के मुख्य पृष्ठ पर जब मेरी नज़र गई, तब मेरी ख़ुशी का पारावार न रहा। दीदी, आपका चयन संघ लोक सेवा आयोग की प्रशासनिक सेवा में हो गया है। आप कब से इसी पल का इंतजार कर रही थी। आपको मेरी ओर से ढेर सारी बधाई।
आपकी छोटी बहिन
क.ख.ग.